Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
Autonomous

Accredited by NAAC with Grade 'A' (CGPA Score 3.41 on a 4 Point Scale)
Best Affiliated College-Goa University Silver Jubilee Year Award

F.133C/ 769

2nd December 2020

All the Members of Board of Studies in Hindi

Sub: Minutes of the Meeting of the Board of Studies in Hindi held on

17th November, 2020

Sir/Madam,

I am forwarding the minutes of the meeting of the Board of Studies in Hindi held on 17th November 2020 virtually by Google Meet in the college. If no exception is taken by any member who was present at the meeting to the correctness of the minutes of the meeting, within 5 days of receipt of the minutes, they shall be deemed to be correct and accepted.

Yours Faithfully

Alawas

Miss. Alka Gawas

Chairperson

Encl: 1) Minutes of the meeting

2) Course Structure & Syllabi

3) Swayam Courses

P.O. Fatorda, Gogol-Margao, Goa 403602, Phone:0832-2722222, Fax:0832 2759067, Email: principal@chowgules.ac.in

Parvatibai Chowgule College of arts and science (Autonomous)

Margao-Goa

MINUTES OF MEETING OF THE BOARD OF STUDIES IN HINDI

HELD ON 17TH NOVEMBER 2020 AT 10:00 AM

Vide Chowgule College notice (F133C/621 dated 2nd November, 2020) a meeting of this BOS was convened on 17th November, at 10.00 am through Google Meet in Parvatibai Chowgule College of Arts and Science, Margao-Goa. Since the number of members of persent represented the Quorum, the BOS began its proceedings.

Minutes are presented in the format.

Members present:

1. Ms. Alka Gawas - Chairperson
2. Dr. Satish Pandey - Academic Council Nominee
3. Dr. Sadanand Bhosle - Academic Council Nominee
4. Dr. Soniya Sirsat - Vice-Chancellor Nominee, Goa University
5. Shri. Manish Kumar - Industry Representative
6. Dr. Rakesh Sharma - Expert Special Courses
7. Mr. Aditya Bhangui - Alumni
8. Dr. Rishikesh Mishra - Member Secretary
9. Pro. Pradeep Jatal - Member
10. Ms. Vijayshri Satpalkar- Member
11. Ms. Shambhavi Naik - Member
12. Mr. Akbar Shaikh - Member

Proceedings:

The Chairman welcomed the members of the board of studies (BOS) the Chairman introduced and explained the agenda for the meeting and Board transacted the following business.

Agenda Items

- Revise the course syllabus for Under-Graduate and Post- Graduate Program in Hindi.
- A.O.B.

PART A: Resolution:-

1. सर्वप्रथम बी.ए का पाठ्यक्रम चर्चा के लिए बी.ओ.एस के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिस पर चर्चा करते हुए उपस्थित सुझाव देकर PSO को PLO के रूप में परिवर्तित किया गया। **7 PSO** को हमने **PLO** के रूप में रूपांतरित करते हुए **4 PLO** में संक्षिप्तीकरण किया**,** जिसे **BOS** समक्ष रखा गया तथा इस सुझाव को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। जो निम्नवत् है-

Programme learning outcome (PLO)	Short Title of the POs	Description of the Programme Outcomes Graduates will be able to :
PLO-1	भाषिक क्षमता	भाषा विज्ञान, भाषा कौशल एवं व्याकरण, मीडिया लेखन के अध्ययन के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता का विकास होगा।
PLO-2	साहित्य की विविध विधाओं एवं विमर्शों का आस्वादन एवं मूल्यांकन।	साहित्य की विविध विधाओं एवं विमर्शों के आस्वादन एवं मूल्यांकन द्वारा मानवीय संवेदना और जीवन दृष्टि का विकास होगा एवं तुलनात्मक दृष्टि विकसित होगी। साथ ही नाटक एवं रंगमंच से जुड़ी विविध विधाओं एवं रंगमंचीय प्रयोगों से विद्यार्थियों में अधिगम क्षमता का विकास होगा।
PLO-3	साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न काव्य सिद्धांतों का ज्ञान।	साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न काव्य सिद्धांतों के आधार पर साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी।
PLO-4	प्रयोजनमूलक हिंदी- अनुवाद एवं पत्रकारिता का सैद्धांतिक और	प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप एवं विविध क्षेत्र का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में हिंदी के व्यावसायिक अनुप्रयोग की क्षमता

	व्यावहारिक अध्ययन।	विकसित होगी। अनुवाद के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक स्वरूप का अध्ययन कर अनुवाद के क्षेत्र में सक्रिय होने की क्षमता विकसित होगी। मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अध्ययन कर पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे।

2. सर्वप्रथम बी.ए का पाठ्यक्रम चर्चा के लिए बी.ओ.एस के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिस पर चर्चा करते हुए उपस्थित सुझाव देकर निम्नलिखित कोर्स के CLOs 5 किए गए। जिसे BOS समक्ष रखा गया तथा इस सुझाव को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। जो निम्नवत् है-

SEMESTER II

- 2.1 'हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म' (HIN-II.C-3) इस प्रश्न अंतर्गत CLOs की संख्या 7 थी, जिस पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए से CLO 1 और CLO 2 और CLO 3 और CLO 4 को सम्मिलित किया गया है। अब इनकी संख्या 5 हो गयी है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

SEMESTER III

- 3.1'हिन्दी पथनाट्य' (नुक्कड़ नाटक) (HIN-III.SEC-1) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, जिस पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए CLO 1 और CLO 2 को सम्मिलित किया गया है। अब इनकी संख्या 5 हो गयी है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

SEMESTER IV

- 4.1 'हिन्दी एकांकी' (HIN-IV.SEC-2) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 7 थी, जिसमें से CLO 1 और CLO 2 को सम्मिलित किया गया है। इस प्रश्न पत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए CLO 4 को निकालने के लिए कहा। अब इनकी संख्या 5 हो गई है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

SEMESTER V

- 5.1 'विशेष अध्ययन: हिंदी उपन्यास' (HIN-V.E-10) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, जिसमें बी.ओ.एस के सभी सदस्यों के मतानुसार CLO 1 और CLO 2 को सम्मिलित किया गया है। अब इनकी संख्या 5 है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

SEMESTER VI

- 6.1 'भाषा विज्ञान' (HIN-VI.E-14) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, जिसमें बी.ओ.एस के सभी सदस्यों के मतानुसार CLO 1 और CLO 2 को सम्मिलित किया गया है। अब इनकी संख्या 5 है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

Course learning Outcomes (CLOs)

Sr. No.	Course Code	Course Title	Course Outcomes
1	HIN-I.C-1	हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन	1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित एवं प्रभावित होंगे।

			4) उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा और संघर्ष भावना निर्माण होगी। 5) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।
2	HIN -I.C-2	हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य	1) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी। 3) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 4) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी। 5) काव्यसौंदर्य में अलंकार, छंद एवं समास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3	HIN-II.C-3	हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा एवं नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।

			2) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक एवं नाटककार असगर वजाहत के रचना संसार से परिचित होंगे और विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी। 4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे। 5) वृत्तचित्र एवं फीचर फ़िल्म में अंतर करने में सक्षम होंगे।
4	HIN -II.C-4	हास्य -व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता	1) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होंगे। 2) हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे। 3) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे। 4) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। 5) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्व समझेंगे।

5	FC-HIN.1	व्यावहारिक हिन्दी	1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) विविध क्षेत्रों में व्यावहारिक हिन्दी के प्रयोग से परिचित होंगे। 3) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे। 4) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 5) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।
6	FC-HIN.2	भाषा कौशल	1) भाषण-कला विकसित होगी। 2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा। 3) वाचन-कौशल निर्माण होगा। 4) लेखन-कला विकसित होगी। 5) हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।
7	HIN-III C-5	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	1) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

			2) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे। 3) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा। 5) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।
8	HIN-III E-1	प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन	1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) अनुवाद के प्रकारों से अवगत होंगे। 4) अनुवाद कला में निपुण होंगे। 5) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे।
9	HIN-III E-2	मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)	1) सगुण भक्ति काव्य परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे। 2) सगुण एवं निर्गुण काव्य

			से परिचित होंगे। 3) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे। 4) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे। 5) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।
10	HIN-III E-3	हिन्दी महिला लेखन	1) महिला लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप को समझेंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे। 3) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 4) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे। 5) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।
11	HIN-III E-4	हिन्दी दलित लेखन	1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।

			2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 4) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे। 5) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श और उसकी की आवश्यकता को समझेंगे।
12	HIN-IV.C-6	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे। 2) आधुनिक काल के काल विभाजन का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 4) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 5) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।
13	HIN-IV.E-5	हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक	1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता

			के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों को समझेंगे। 3) पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा। 4) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा। 5) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।
14	HIN-IV.E-6	विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे। 3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे। 4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 5) निराला के साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा को

			समझेंगे।
15	HIN-IV.E-7	विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी	1) हिन्दी कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप समझेंगे। 2) हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे। 3) प्रेमचंद की कहानी कला परिचित होंगे। 4) फणीश्वर रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे। 5) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
16	HIN-IV.E-8	हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवं उपन्यास)	1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे। 3) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे। 4) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे। 5) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता

			विकसित होगी।
17	HIN-V.C-7	भारतीय काव्यशास्त्र	1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे। 2) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे। 5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।
18	HIN-V.E-9	कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृत्त,आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधाकी एक पाठ्य पुस्तक)	1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) रेखाचित्र, संस्मरण लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) साहित्य यात्रावृत्त का महत्व एवं आवश्यकता को समझेंगे। 4) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 5) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के

			योगदान से परिचित होंगे।
19	HIN-V.E-10	विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास	1) उपन्यास के स्वरूप एवं तत्व तथा उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे। 2) 'निर्मला' उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे। 3) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकी की मूल संवेदना से परिचित होंगे। 4) विद्यार्थी 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से भूमंडलीकरण की अवधारणा से ज्ञात होंगे। 5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।
20	HIN-V.E-11	मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन	1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा। 2) रेडियो एवं टेलीविज़न पत्रकारिता से अवगत होंगे। 3) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 4) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा। 5) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में

			रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।
21	HIN-V.E-12	हिंदी नाटक	1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे। 3) अभिनय कौशल का विकास होगा। 4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। 5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।
22	HIN-VI.C-8	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी। 3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे। 4) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृत्तियों को समझेंगे। 5) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

23	HIN-VI.E-13	हिंदी निबंध	1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप एवं तत्त्व को समझेंगे। 2) हिंदी निबंध के उद्भव एवं विकास की जानकारी होगी। 3) हिन्दी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे। 4) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से परिचित होंगे। 5) निबंध लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।
24	HIN-VI.E-14	भाषाविज्ञान	1) भाषा एवं भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 2) भाषाविज्ञान के अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 3) ध्वनि विज्ञान की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 4) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 5) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान

			होगा।
25	HIN-VI.E-15	हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण	1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं नामकरण से परिचित होंगे। 3) देवनागरी लिपि विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 4) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे। 5) विकारी एवं अविकारी शब्दों से परिचित होंगे।
26	HIN-VI.E-16	साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन	1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे। 2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। 4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे। 5) साहित्य का

			समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
27	HIN-III.SEC-1	हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)	1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा। 2) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 3) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे। 4) अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा। 5) पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
28	HIN-IV.SEC-2	हिन्दी एकांकी	1) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे। 2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थी अभिनय,एवं संवाद कला में निपुण होंगे। 4) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण में दक्षता प्राप्त करेंगे। 5) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।

3. सर्वप्रथम बी.ए का हिंदी दलित लेखन' (HIN-III E-4) पाठ्यक्रम चर्चा के लिए बी.ओ.एस के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिस पर चर्चा करते हुए कुछ कहानियों एवं कविताओं को उसमें जोड़ने का निर्णय लिया गया।

SEMESTER III

3.1 'हिंदी दलित लेखन' (HIN-III E-4) इस प्रश्नपत्र के इकाई दो में केवल कहानीकारों के नाम उल्लिखित थे। लेकिन इस चर्चा में सभी सदस्यों से चर्चा और संशोधन करते हुए यह नाम सुझाए हैं– लेखिका कंवल भारती की कहानी के स्थान पर सुरजपाल चौहान की 'साजिश' कहानी का प्रस्ताव सबके सामने रखा गया जिसे सारे सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। सुशीला टाकभौरे- 'सिलिया', रमणिका गुप्ता की कहानी के स्थान पर दयानन्द बटोही- 'सुरंग' कहानी का प्रस्ताव सबके सामने रखा गया जिसे सारे सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। ओमप्रकाश वाल्मीकि- 'पच्चास चौका डेढ़ सौ', मोहनदास नैमिषराय- 'आवाजें', जयप्रकाश कर्दम- 'तलाश'।

इकाई 4 में कविताओं में अदम गोंडवी- 'वेद में जिनका हवाला', हीरा डोम की कविता के स्थान पर असंघोष की 'मैं दूंगा माकूल जवाब' कविता का प्रस्ताव सबके सामने रखा गया जिसे सारे सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। सूरजपाल चौहान- 'ये दलितों की बस्ती है', ओमप्रकाश वाल्मीकि- 'बस बहुत हो चुका', रमणिका गुप्ता- 'स्पार्टाकस', जयप्रकाश कर्दम- 'गूंगा नहीं था मैं'। उपरोक्त कहानी एवं कविताओं के नामों को बी. ओ. एस. के सारे सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

3.2 'हिंदी पथनाट्य'(नुक्कड़ नाटक) HIN-III.SEC-1 इस प्रश्न पत्र अंतर्गत इकाई 2 में बादल सरकार के नुक्कड़ नाटक के स्थान पर रमेश उपाध्याय का नुक्कड़ नाटक 'गिरगिट' का प्रस्ताव रखा गया जिसे सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

4. A.O.B

- बी.ओ.एस. के सभी सदस्याओं की सर्वसम्मति से निम्नलिखित स्वयम् कौर्सेस (SWAYAM Courses) निर्धारित किए गए हैं।

1. Modern Indian Writing in Translation — By Prof. A. Divya (IIT Madras)
2. Introduction to Film Studies — By Prof. Aysha Iqbal (IIT Madras)

- प्रश्न-पत्र के प्रारूप पर चर्चा करते हुए अध्ययन मण्डल के सभी सदस्यों के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस संदर्भ में महाविद्यालय जो भी निर्णय लेता है उसमें **BOS** की पूर्ण सहमति है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

To revise the syllabus of M.A in Hindi for Semester I to IV

Part A

Sr. No	Semester	Core Course	Course Code	Nature of the course	PG Level at which offered
1.	Semester I	हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल), भक्तिकाल एवं रीतिकाल(Hindi Sahitya ka Itihas	PG HIN C-1	Core	M.A (Hindi)
2.	Semester I	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य Pracheen evam Madhyakaleen Kavya	PG HIN C-2	Core	M.A (Hindi)
3	Semester I	भाषा विज्ञान Bhasha Vigyan	PG HNC-3	Core	M.A (Hindi)
4.	Semester I	विशेष रचनाकारसच्चिदानंद हीरानंद : वात्स्यायन'अज्ञेय' Vishesh Rachnakar: S.H.V. Agyey	PG HIN E-1	Elective	M.A (Hindi)
5.	Semester I	दलित विमर्श Daliy Vimarsh	PG HIN E-2	Elective	M.A (Hindi)
6.	Semester I	अनुवाद Anuvad	PG HIN E-3	Elective	M.A (Hindi)
7.	Semester II	हिन्दी साहित्य का इतिहास Hindi Sahitya ka Itihas (आधुनिक काल)	PG HIN C-4	Core	M.A (Hindi)
8.	Semester II	आधुनिक काव्य	PG HIN C-5	Core	M.A (Hindi)
9.	Semester II	विशेष विधाउपन्यास : Vishesh Vidha Upanyas	PG HIN C-6	Core	M.A (Hindi)
10.	Semester II	विशेष विधाकहानी : Vishesh Vidha: Kahani	PG HIN E-4	Elective	M.A (Hindi)
11.	Semester II	आलोचक और आलोचना Alochana aur Alochana	PG HIN E-5	Elective	M.A (Hindi)
12.	Semester II	पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम Patrakarita evam Jansanchar	PG HIN E-6	Elective	M.A (Hindi)

		Madhyam			
13.	Semester III	भारतीय काव्यशास्त्र Bhartiya Kavyashastra	PG HIN C-7	Core	M.A (Hindi)
14.	Semester III	प्रयोजनमूलक हिंदी Prayojanmulak Hindi	PG HIN C-8	Core	M.A (Hindi)
15.	Semester III	भारतीय साहित्य Bhartiya Sahitya	PG HIN E-7	Elective	M.A (Hindi)
16.	Semester III	नाटक एवं रंगमंच Natak Evam Rangmanch	PG HIN E-8	Elective	M.A (Hindi)
17.	Semester III	आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि Adhunik Hindi Sahitya ki Vaicharik Prishthabhumi	PG HIN E-9	Elective	M.A (Hindi)
18.	Semester III	हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण साहित्य Hindi Bhasha, Lipi Vyakaran evam Sarvekshan	PG HIN E-13	Elective	M.A (Hindi)
19.	Semester IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र Pashchatya Kavyashastra	PG HIN C-10	Core	M.A (Hindi)
20.	Semester IV	मीडिया लेखन Media Lekhan	PG HIN C-11	Core	M.A (Hindi)
21.	Semester IV	आधुनिक गद्य नाटक), उपन्यास, निबंध, कहानी(Adhunik Gadya	PG HIN E-10	Elective	M.A (Hindi)
22.	Semester IV	गद्य की अन्य विधाएँ Gadya ki Anya Vidhaein	PG HIN E-12	Elective	M.A (Hindi)
23.	Semester IV	स्त्री विमर्श Stri Vimarsh	PG HIN E-11	Elective	M.A (Hindi)
24.	Semester IV	शोध प्रविधि Sodh Pravidhi	PG HIN E-14	Elective	M.A (Hindi)

Semester-I

1.1 'प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य' HNC-02 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों द्वारा चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई एक में निर्धारित कवि 'आदि कालीन कवि विद्यापति' के साथ पीताम्बरदत्त बड़त्थवाल द्वारा संपादित 'गोरखनाथ बानी' के 15 पदों को रखने का निर्णय लिया गया। इकाई एक में विद्यापति के वंदना, वय: संधि, नख शिख, प्रेम प्रसंग, विरह एवं प्रार्थना और नचारी खंड से पदों को कम करते हुए दो-दो पदों को रखने का निर्णय लिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

Semester-IV

4.1 'आधुनिक गद्य' (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी) **PG HIN E-10** इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई तीन के 'चिंतामणि' भाग एक के छह निबंधों के स्थान पर पाँच निबंध रखने का सुझाव दिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

PLO/CLO:

5. **11 PSO** को हमने **PLO** के रूप में रूपांतरित करते हुए **5 PLO** में संक्षिप्तीकरण किया, जिसे **BOS** समक्ष रखा गया। इस सुझाव को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

- 'हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीति काल)', 'भाषा विज्ञान', 'विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', 'दलित विमर्श', हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)', 'विशेष विधा: उपन्यास', 'विशेष विधा: कहानी', 'पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम', 'नाटक एवं रंगमंच', 'आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि', 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र', 'स्त्री विमर्श', 'आधुनिक गद्य', 'शोध प्रविधि' के प्रश्न-पत्र में 5 से अधिक **CLO** थे, जिन्हें 5 **CLO** में संक्षिप्त किया गया और **BOS** के समक्ष रखा गया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

- **DFC** की मीटिंग एवं **BOS** के सभी सदस्यों की अनुमति के पश्चात् **14** सितंबर 2020 को स्टैन्डिंग कमेटी की मीटिंग रखी गई, जिसमें एम.ए. के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम-संरचना(**Course Structure**) को ऑर्डिनेंस के अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ सत्र के एक-एक कोर कोर्स को इलेक्टिव कोर्स में शामिल किया गया। जिससे कोर कोर्स एवं इलेक्टिव कोर्स के क्रेडिट्स समान हो गए। इसे **BOS** के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिस पर **BOS** ने अपनी संस्तुति दे दी। तृतीय एवं चतुर्थ सत्र की पाठ्यक्रम-संरचना में इस परिवर्तन के उपरांत कोर कोर्स में दो-दो एवं एलेक्टिव कोर्स में चार-चार प्रश्न-पत्र होंगे। इस प्रस्ताव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।
- सुधारित पाठ्यक्रम संरचना(**COURSE STRUCTURE**) निम्नवत है-

PGM-HIN	**Odd Semester**	**Even Semester**
PART ONE	**First Semester**	**Second Semester**
	Core Course Credits- 12	Core Course Credits- 12
	Elective Course Credits- 08	Elective Course Credits- 08
	Total first Semester = 20	Total Second Semester = 20
PART TWO	**Third Semester**	**Fourth Semester**
	Core Course Credits- 08	Core Course Credits- 08
	Elective Course Credits- 12	Elective Course Credits- 12
	Total Third Semester = 20	Total first Semester = 20

PROGRAMME OUTCOMES
Post Graduate Department of Hindi

PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PLO)		
PLO-1	भाषिक क्षमता का विकास	• भाषा विज्ञान एवं व्याकरण के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता का विकास होगा। विद्यार्थी हिन्दी भाषा के इतिहास से परिचित होंगे। • स्थानीय स्तर पर भाषिक सर्वेक्षण के उपरांत विद्यार्थी सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों से परिचित होंगे और इसमें उन्हें भाषिक भूमिका के महत्त्व का ज्ञान होगा।
PLO-2	हिंदी साहित्य, भारतीय साहित्य, साहित्येतिहास का अध्ययन एवं मूल्यांकन तथा विभिन्न विमर्शों के माध्यम से समाज की स्थितियों का ज्ञान।	• साहित्य की विभिन्न विधाओं एवं साहित्येतिहास के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्य की परंपरा से अवगत होंगे और उनमें मानवीय संवेदना और सर्जनात्मक प्रतिभा का विकास होगा। • विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं के साहित्य का अध्ययन करके परस्पर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आत्मिक धरातल परस्पर जुड़ेंगे और भाषिक आदान-प्रदान सहज एवं सरल होगा। • दलित विमर्श एवं स्त्री विमर्श जैसे विषयों से विद्यार्थी को समाज में उनकी दशाओं और उनकी भूमिकाओं का ज्ञान होगा। इससे विद्यार्थी उनकी स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए एक सार्थक और सर्जनात्मक हस्तक्षेप कर पाएंगे।
PLO-3	समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न आंदोलनों का ज्ञान।	• साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न आंदोलनों के आधार पर साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी। • विद्यार्थी किसी भी कृति का निरपेक्ष भाव से विश्लेषणात्मक तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मूल्यांकन कर सकेंगे। रचना की उपादेयता को समसामयिक परिवेश में रख सकेंगे। एक समीक्षक तौर पर स्वयं को स्थापित करने की प्रेरणा मिलेगी।
PLO-4	मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता का अध्ययन तथा प्रयोजनमूलक हिंदी का सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रयोग।	• समाचार-पत्र, रेडियो, दूरदर्शन एवं इंटरनेट पत्रकारिता के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अध्ययन से मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे। • विविध क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में हिंदी के व्यावसायिक अनुप्रयोग क्षमता विकसित होगी।
PLO-5	शोध कार्य की प्रक्रिया का	• शोध-प्रविधि के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी शोध की दिशा में

	ज्ञान।	प्रवृत्त होंगे। विद्यार्थियों को शोध-लेखन की जानकारी होगी। शोधार्थी की योग्यता का ज्ञान होगा। शोध के स्रोतों, साधनों और विविध सोपानों से परिचित होंगे।

CourseLearning Outcomes-

Sr. No.	Course Code	Course Title	Course Outcomes
1	PG HIN C-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	1) साहित्य के इतिहास दर्शन का ज्ञान होगा एवं साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों से परिचित होंगे 2) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृतियों से परिचित होंगे। 3) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा। 5) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।
2	PG HIN C-2	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	1) विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्ययुगीन कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) हिन्दी काव्य परंपरा और समाज पर पड़े उसके प्रभाव का ज्ञान होगा। 3) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी। 4) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 5) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।
3	PG HIN C-3	भाषा विज्ञान	1) भाषा, बोली और समाज के आपसी सम्बन्धों से परिचित होंगे तथा भाषा और भाषा विज्ञान के पारस्परिक संबंध का ज्ञान होगा। 2) भाषा एवं भाषाविज्ञान के स्वरूप एवं अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 3) ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 4) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 5) अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के

			कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।
4	PG HIN E-1	विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1) विद्यार्थी अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे। 2) व्यष्टि और समष्टि चेतना को समझ सकेंगे। 3) आधुनिक हिन्दी साहित्य में अज्ञेय के योगदान का ज्ञान होगा। 4) अज्ञेय के बहुआयामी व्यक्तित्व से प्रेरित होकर सृजनात्मक रूप से समाज में अपना योगदान दे सकेंगे।
5	PG HIN E-2	दलित विमर्श	1) दलित साहित्य और मुख्य धारा के साहित्य के बीच सम्बन्धों को समझ सकेंगे। 2) दलित चेतना के स्वरूप, महत्त्व उसके सौंदर्यशास्त्र से परिचित होंगे। 3) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 4) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 5) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे।
6	PG HIN E-3	अनुवाद	1) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 2) अनुवाद के भेदों से परिचित होंगे। 3) भारतीय साहित्य के विकास की दृष्टि से अनुवाद की महत्ता समझ सकेंगे। 4) अनुवाद कार्य में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे। 5) रोजगार की दृष्टि से अनुवाद कार्य में प्रवृत होंगे।
7	PG HIN C-4	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य और उसके परिवेश से परिचित होंगे। 2) हिन्दी साहित्य में आए बदलाओं और उसके कारणों को समझ सकेंगे। 3) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 4) हिंदी कहानी, उपन्यास, निबंध, नाटक के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 5) गद्य की इतर विधाओं, परंपरा और उसके

			महत्त्व से परिचित होंगे।
8	PG HIN C-5	आधुनिक काव्य	1) आधुनिक काल के प्रमुख काव्य ग्रन्थों से परिचित होंगे। 2) समाज की विविध्ध दिशाओं में आधुनिक कविता के योगदान को जान पाएंगे। 3) आज़ादी के पूर्व और आज़ादी के बाद कविता की भूमिका को समझ सकेंगे। 4) पूर्ववर्ती कविता से अंतर को समझ सकेंगे। 5) विद्यार्थी काव्य सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।
9	PG HIN C-6	विशेष विधा: उपन्यास	1) उपन्यास विधा के स्वरूप, तत्व एवं उसके विकासक्रम से परिचित होंगे। 2) उपन्यास के कथ्य और समाज के संबंध को जान पाएंगे। 3) 'गोदान' उपन्यास के माध्यम से एक किसान के जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे। 4) 'राग दरबारी' के माध्यम से उपन्यास में व्यंग्य के महत्त्व और स्वातंत्र्योत्तर भार की विसंगतियों से परिचित होंगे। 5) 'मानस का हंस' उपन्यास के माध्यम से मध्यकालीन समाज और तुलसीदास के जीवन से अवगत होंगे।
10	PG HIN E-4	विशेष विधा: कहानी	1) विद्यार्थी हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे। 2) चर्चित कहानियों के माध्यम से कहानी विधा और समाज के सम्बन्धों से अवगत होंगे। 3) विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि विकसित होगी और कहानी-लेखन की दिशा में प्रवृत्त होंगे। 4) कहानी विधा में विभिन्न युगों में हुए बदलावों से परिचित होंगे। 5) हिन्दी कहानी में शीर्षस्थ कहानीकारों के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
11	PG HIN E-5	आलोचक और आलोचना	1) हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) आलोचना के प्रतिमानों को समझ सकेंगे। 3) हिन्दी आलोचना पर पड़े प्रभावों को समझ

			सकेंगे। 4) विद्यार्थियों में एक आलोचक दृष्टि विकसित होगी। 5) किसी चीज़ को लेकर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।
12	PG HIN E-6	पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम	1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) समाचार पत्र में लेखन का ज्ञान होगा। 3) रेडियो के क्रमिक विकास और उसमें लेखन का ज्ञान होगा। 4) सिनेमा एवं दूरदर्शन के उद्भव और विकास तथा उसके विविध पहलुओं से परिचित होंगे। 5) जनसंचार के विविध माध्यमों से परिचित होंगे तथा विद्यार्थियों में रेडियो पत्रकारिता, टेलीविजन पत्रकारिता एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।
13	PG HIN C-7	भारतीय काव्यशास्त्र	1) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करेंगे। 3) काव्य आस्वादन में भारतीय सिद्धांतों के महत्त्व को समझ सकेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे। 5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।
14	PG HIN C-8	प्रयोजनमूलक हिंदी	1) विद्यार्थीप्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) रोजगार की प्राप्ति की दिशा में कुशलता प्राप्त करेंगे। 4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्राचार में सक्षम होंगे। 5) हिन्दी के प्रचार-प्रसार में इंटरनेट की भूमिका को समझ सकेंगे।
15	PG HIN E-13	हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण साहित्य	1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि के विकास एवं

			मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे। 4) विद्यार्थियों में भाषा कौशल का विकास होगा। 5) सर्वेक्षण के माध्यम से स्थानीय भाषा एवं संस्कृति को समझ सकेंगे।
16	PG HIN E-7	भारतीय साहित्य	1) विभिन्न भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य से परिचित होंगे। 2) लेखकीय दृष्टि को समझ सकेंगे। 3) अन्य भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे। 4) भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता एवं एकीकरण का भाव विकसित विकसित होगा। 5) अन्य भाषाओं के साहित्य का हिन्दी भाषा-साहित्य के साथ जुड़ाव को समझ सकेंगे।
17	PG HIN **E-8**	नाटक एवं रंगमंच	1) हिन्दी नाट्य परंपरा के क्रमिक विकास का ज्ञान होगा एवं विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे। 3) अभिनय कौशल में कुशलता प्राप्त करेंगे। 4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। 5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।
18	PG HIN **E-9**	आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	1) साहित्य की वैचारिकता से जुड़ सकेंगे। 2) साहित्य में निहित विचारधाराओं से परिचित हो सकेंगे। 3) साहित्य के सभी वादों और सिद्धांतों से परिचित होंगे। 4) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 5) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। विभिन्न आंदोलनों का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे।
19	PG HIN **C-10**	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी।

			3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा की विविध प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे। 4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।
20	PG HIN **C-11**	मीडिया लेखन	1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा। 2) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 3) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा। 4) रोजगार की दृष्टि से सिनेमा-लेखन से परिचित होंगे। 5) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।
21	PG HIN **E-14**	शोध प्रविधि	1) विद्यार्थी शोध की पूरी प्रक्रिया से अवगत होंगे। 2) Shodh Pravidhiyon se parichit honge. 3) शोध के दौरान आने वाली समस्याओं के प्रति जागरूक होंगे। 4) शोध के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान होगा। 5) विद्यार्थी भविष्य में शोध कार्य में प्रवृत्त होंगे।
22	PG HIN **E-10**	आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)	1) गद्य की प्रतिनिधि विधाओं से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थियों को रचनाओं के माध्यम से समाज की विभिन्न स्थितियों का ज्ञान होगा 3) उनमें संवेदनशीलता विकसित होगी। 4) व्यावहारिक दृष्टि विकसित होगी। 5) विद्यार्थी सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।
23	PG HIN **E-11**	स्त्री विमर्श	1) नारी आंदोलन एवं उसमें नारी लेखन की भूमिका से अवगत होंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे। 3) स्त्री की दशा एवं उनके संघर्षमय लेखन

			से परिचित होंगे। 4) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 5) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे और उनकी सामाजिक समस्याओं तथा नारी चेतना का ज्ञान होगा।
24	PG HIN **E-12**	गद्य की अन्य विधाएँ	1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) संस्मरण और यात्रा-वृतांत लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 4) अन्य विधाओं के अद्यतन साहित्य से जुड़ सकेंगे। 5) विद्यार्थियों में सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा।

1. **A.O.B**

1. प्रश्न-पत्र के प्रारूप पर चर्चा करते हुए अध्ययन मण्डल के सभी सदस्यों के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस संदर्भ में महाविद्यालय जो भी निर्णय लेता है उसमें **BOS** की पूर्ण सहमति है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

PART B

Important point / recommendation of BOS that required consideration / approval of academic council.

1. PSO को PLO के रूप में रूपांतरित करते हुए 7 PSO का 4 PLO में संक्षिप्तीकरण किया गया, इस सुझाव को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
2. 'हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म' (HIN-II.C-3) इस प्रश्न के अंतर्गत CLOs की संख्या 7 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
3. 'हिन्दी पथनाट्य' (नुक्कड़ नाटक) (HIN-III.SEC-1) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
4. 'हिन्दी एकांकी' (HIN-IV.SEC-2) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 7 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
5. 'विशेष अध्ययन: हिंदी उपन्यास' (HIN-V.E-10) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
6. 'भाषा विज्ञान' (HIN-VI.E-14) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
7. 'हिंदी दलित लेखन' (HIN-III E-4) इस प्रश्नपत्र में चयनित कहानियाँ एवं कविताओं को जोड़ने का निर्णय लिया गया।
8. 'हिंदी पथनाट्य'(नुक्कड़ नाटक) HIN-III.SEC-1 इस प्रश्न पत्र अंतर्गत बादल सरकार के स्थान पर रमेश उपाध्याय के नुक्कड़ नाटक को जोड़ने का निर्णय लिया गया।
9. स्वयम् के दो कोर्स "Modern Indian Writing in Translation" by Prof. A. Divya (IIT Madaras) तथा "Introduction to Film Studies" by Prof.Ayesha Iqbql (IIT Madras) को जोड़ने का निर्णय लिया गया।

PART B

Important Points/ recommendations of BOS that require consideration / approval of Academic Council:

एम .ए - .हिन्दी सत्र **I** से **IV** का पाठ्यक्रम-

Semester-I

- 'प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य' HNC-02 इस प्रश्नपत्र की इकाई एक में निर्धारित कवि 'आदि कालीन कवि विद्यापति' के साथ 'गोरखनाथ बानी' के 15 पदों को रखा गया। साथ ही विद्यापति पदावली के निर्धारित खंडों से दो-दो पदों को रखा गया।

Semester-IV

- 'आधुनिक गद्य' (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी) **PG HIN E-10** की इकाई तीन में 'चिंतामणि' भाग एक के छह निबंधों के स्थान पर पाँच निबंध रखे गए।

PLO/CLO:

- **11 PSO** को **PLO** के रूप में रूपांतरित करते हुए **5 PLO** में संक्षिप्तीकरण किया गया।
- 'हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीति काल)', 'भाषा विज्ञान', 'विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', 'दलित विमर्श', हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)', 'विशेष विधा: उपन्यास', 'विशेष विधा: कहानी', 'पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम', 'नाटक एवं रंगमंच', 'आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि', 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र', 'स्त्री विमर्श', 'आधुनिक गद्य', 'शोध प्रविधि' के प्रश्न-पत्र में अधिक **CLO** होने के कारण 5 **CLO** में संक्षिप्त किया गया।
- एम.ए. के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम-संरचना(**Course Structure**) को ऑर्डिनेंस के अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ सत्र के एक-एक कोर कोर्स को इलेक्टिव कोर्स में शामिल किया गया। जिससे कोर कोर्स एवं इलेक्टिव कोर्स के क्रेडिट्स समान हो गए। इसे **BOS** के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिस पर **BOS** ने अपनी संस्तुति दे दी।

The foregoing minutes of the meeting were read out by the member Secretary at the meeting itself and they were unanimously approved by the entire Members Present.

1.	Ms. Alka Gawas -	Chairperson
2.	Dr. Satish Pandey -	Academic Council Nominee
3.	Dr. Sadanand Bhosle -	Academic Council Nominee
4.	Dr. Soniya Sirsat -	Vice-Chancellor Nominee, Goa University
5.	Shri. Manish Kumar -	Industry Representative
6.	Dr. Rakesh Sharma-	Expert Special Courses
7.	Mr. Aditya Bhangui -	Alumni
8.	Dr. Rishikesh Mishra -	Member Secretary
9.	Ms. Vijayshri Satpalkar-	Members
10.	Ms. Shambhavi Naik-	Members
11.	Mr. Akbar Shaikh -	Members

Signature of the Chairperson

(Miss Alka Gawas)

Date 17th November, 2020

Member - Secretary

(Rishikesh Mishra)

MEMBER-SECRETARY
Academic Council
PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE
OF ARTS & SCIENCE (AUTONOMOUS)
MARGAO-GOA

PART C: The remarks of the Dean of the Faculty:-

a. The minutes are in order.
b. The minutes may be placed before the Academic Council with remarks, if any.
c. Important points of the minutes which need clear policy decision of the Academic Council to be recorded.

Date : 14th December 2020

Signature of the Dean of Arts
Dr. Sachin Moraes

MEMBER-SECRETARY
Academic Council
PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE
OF ARTS & SCIENCE (AUTONOMOUS)
MARGAO-GOA